

coal was the main consideration taken into account in the present grading system. The consumption profile of coal has undergone vast changes over the last two decades. Earlier, the design of combustion equipment was such that only coals with high heat value could be utilised. With the emergence of Pulverised Firing of coal particularly in the thermal power station boilers it has become possible to utilise coals with high ash content with high thermal efficiency. The modern coal combustion equipment particularly the power station boilers can handle coals with high ash content without any serious problem. The environmental pollution mainly arises from the 'fly ash' produced when the coal is burnt. This problem can be considerably reduced by using beneficiated coal.

(c) High ash content coals as well as washery rejects are reported to be utilised in fluidised bed combustion boilers (for power generation in countries like France, Germany USA etc.

Grading or pricing of coal

759. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of COAL be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 296 given in the Rajya Sabha on 6th December 1993 and state:

(a) whether the recommendations made by BICP have been examined and due action taken thereon;

(b) what are the details of the action taken on the recommendations;

(c) if not, the reasons thereof;

(d) what are the details regarding Members of this Committee;

(e) whether a retired C and M D of a subsidiary of Coal India Ltd.

serving or a retired Director (Finance) or any other official of Coal India were members of the said Committee; and

(f) if so, the detail thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL, (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) to (c) The interim recommendations of Bureau of Industrial Cost and Prices (BICP) regarding coal industry have been examined in the Ministry. Since most of the recommendations relate to coal prices, which is a sensitive issue, the changes if any can be made public only by issue of Gazette Notifications.

(d) to (f) According to BICP, they had not appointed any committee for conducting their study on coal industry. However, they did engage Shri C. S. Jha Ex-Chairman, Eastern Coalfields Ltd. and M/s. Alpha Consultants represented by Shri B. Swaminathan Ex-Director (Finance), Coal India Ltd. as consultants to work for specific assignments connected with their report. In addition, assistance of some officers of Coal India Ltd. was also taken for collection and analysing various technical and costing details for the study.

कोयला खान भविष्य निधि संगठन का कार्य निष्पादन

760. श्रीमान श्रीबल्लुलाल खान आजमी : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयला खान भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1948 का प्रशासन और कोयला खान भविष्य निधि संगठन का कार्यान्वयन और निष्पादन कार्य संतोषजनक ढंग से नहीं हो रहा है ;

(ख) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) पिछले वर्ष और इस वर्ष इस संबंध में प्राप्त हुये सुझावों का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) इस मामले पर सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांडे) : (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता है।

(ग) और (घ) कोयला खान भविष्य निधि संगठन से न्यासी बोर्ड द्वारा संगठन के कार्य निष्पादन की नियमित रूप में समीक्षा की जाती है ताकि इसके सदस्यों की सेवाओं में सुधार लाया जा सके, अतः इस संबंध में किसी विशिष्ट अथवा व्यक्तिगत सुझाव के बारे में सूक्ष्म निरूपण नहीं किया जा सकता है।

कोयले से संश्लिष्ट तेल का उत्पादन

761. सोलाना ओर्बिबुल्ला खान भाजपी : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) निम्न तापीय कार्बनीकरण कोयला संयंत्रों तथा कोयले से संश्लिष्ट तेल के उत्पादन का विस्तृत ब्यौरा क्या है ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में क्या प्रगति हुई है ; और

(ग) निकट भविष्य के लिये इस संबंध में क्या योजनाएँ हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांडे) : (क) से (ग) भारत में वाणिज्यिक स्तर पर दो निम्न तापीय कोयला कार्बनीकरण संयंत्र कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार का एक संयंत्र पश्चिम बंगाल के दानकुनी में और दूसरा आंध्र प्रदेश के रामाकुण्ठपुरम में अवस्थित है। भारत में वाणिज्यिक स्तर पर कोयला

से सिंथेटिक आयल का उत्पादन किये जाने के लिये कोई संयंत्र विद्यमान नहीं है। किसी नये निम्न तापीय कोयला कार्बनीकरण संयंत्र अथवा कोयला से सिंथेटिक आयल का उत्पादन किये जाने के लिये संयंत्र स्थापित किये जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

कोयला और लिग्नाइट के क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी क्षेत्र के प्रतिष्ठान

762. सोलाना ओर्बिबुल्ला खान भाजपी : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोयला और लिग्नाइट के क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस समय कौन-कौन से प्रतिष्ठान संतोषजनक ढंग से कार्य नहीं कर रहे हैं ;

(ग) इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांडे) : (क) कोयला तथा लिग्नाइट के खनन में केन्द्रीय सरकार के निम्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कार्यरत हैं:-

1. कोल इंडिया लि०, कलकत्ता अपनी निम्नलिखित सहायक कम्पनियों सहित :

(i) भारत कोकिय कोल लि० (बीसीसीएल), धनबाद

(ii) ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (ई.को.लि.), संकटोरिया

(iii) सेंट्रल कोलफील्ड्स लि० (सें.को.लि.), रांची

(iv) वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (वे.को.लि.), नागपुर